

वेटलैंड सट्टी मान्यता: वैश्विक सूची

चर्चा में क्यों?

इंदौर और उदयपुर [रामसर अभिसमय](#) के तहत आर्द्रभूमि शहर (वेटलैंड सट्टी) के रूप में मान्यता प्राप्त करने वाले पहले दो भारतीय शहर बन गए हैं।

मुख्य बट्टि

- आर्द्रभूमि संरक्षण के लिये अंतरराष्ट्रीय मान्यता:
 - [वेटलैंड सट्टी मान्यता](#) उन शहरों को मान्यता देती है जो अपने प्राकृतिक और मानव निर्मित वेटलैंड्स के संरक्षण को प्राथमिकता देते हैं।
 - वेटलैंड सट्टी मान्यता पर सलाहकार समिति ने इंदौर और उदयपुर सहित 31 नए शहरों को मान्यता प्रदान की, जिससे मान्यता प्राप्त वैश्विक शहरों की संख्या 74 हो गई।
- भोपाल को मान्यता प्राप्त करने में असफलता मली:
 - भोपाल, जिस इंदौर और उदयपुर के साथ नामित किया गया था, को [भोज आर्द्रभूमि](#) पर पारस्थितिक प्रभाव की चर्चाओं के कारण मान्यता नहीं मली।
 - नागरिक समूहों ने आर्द्रभूमि के जलग्रहण क्षेत्र से होकर गुजरने वाली प्रस्तावित सड़क परियोजना के संबंध में चर्चा व्यक्त की है, जिससे स्थानीय जल नकियाँ और वन्य जीवन को जोखिम हो सकता है।
- वेटलैंड सट्टी मान्यता हेतु मानदंड:
 - शहरों को छह अंतरराष्ट्रीय मानदंडों को पूरा करना होगा, जिनमें शामिल हैं:
 - आर्द्रभूमि और उनकी पारस्थितिकी सेवाओं का संरक्षण करना।
 - स्थानीय जनसंख्या के लिये स्थायी सामाजिक-आर्थिक लाभ सुनिश्चित करना।
- वेटलैंड सट्टी मान्यता की वैश्विक स्थिति:
 - चीन 22 मान्यता प्राप्त शहरों के साथ वैश्विक सूची में शीर्ष पर है, जबकि फ्रांस 9 शहरों के साथ दूसरे स्थान पर है।
 - मान्यता कार्यक्रम शहरी और अर्ध-शहरी आर्द्रभूमि के सतत उपयोग को बढ़ावा देता है।

वेटलैंड सट्टी प्रमाणन (WCA)

- WCA एक स्वैच्छिक मान्यता प्रणाली है, जिसने रामसर अभिसमय द्वारा 12 अनुबंध पक्षों के सम्मेलन (COP) 2015 के दौरान स्थापित किया गया था, जिसका उद्देश्य उन शहरों को मान्यता देना है जिन्होंने अपने शहरी आर्द्रभूमि की सुरक्षा के लिये असाधारण कदम उठाए हैं।
 - WCA 6 वर्षों के लिये मान्य होता है।
- इस योजना का उद्देश्य शहरी और अर्ध-शहरी आर्द्रभूमि के संरक्षण और वविकपूरण उपयोग को बढ़ावा देना है, साथ ही स्थानीय जनसंख्या के लिये स्थायी सामाजिक-आर्थिक लाभ प्रदान करना है।